भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 111

सोमवार, 20 जुलाई, 2026/29 आषाढ़, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भिवंडी में पर्यटन को बढ़ावा देना

111. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रसाद योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के भिवंडी में किसी धार्मिक स्थल के विकास के संबंध में सरकार का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है;

(ख) क्या सरकार ने भिवंडी की झीलों, प्राकृतिक आकर्षणों और धार्मिक स्थलों को एक पर्यटन परिपथ में एकीकृत करने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(ग) क्या केंद्र सरकार की महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से भिवंडी में पर्यावरण-पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) नामक योजना के तहत महाराष्ट्र सहित देश भर में चिह्नित धार्मिक और विरासत स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने भिवंडी की झीलों, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों को पर्यटन परिपथ के साथ एकीकृत करने के लिए कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया है।

पारिस्थितिकी और ग्रामीण पर्यटन सहित पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए आर्थिक सहायता मांगने से संबंधित प्रस्ताव संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र द्वारा तैयार किए जाते हैं। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार जांच की जाती है और निर्धारित मानदंडों की पूर्ति, निधियों की उपलब्धता तथा लागू अन्य शर्तों के अध्यधीन आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

वर्तमान में, महाराष्ट्र के भिवंडी में 'प्रशाद' योजना के तहत किसी भी धार्मिक स्थल के विकास संबंधी कोई प्रस्ताव मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

****